

HINDI · CHAPTER 1

सूरदास के पद (क्षितिज भाग-2)

A 1-page guide for parents · 90-second read.

EXPECTED MARKS

अच्छी तैयारी वाले छात्र को इस पाठ से लगभग 6-7 अंक (कुल 7 में से) मिलने चाहिए। 4 से कम चेतावनी का संकेत है — सामान्यतः इसका अर्थ है कि बच्चा पंक्तियाँ तो जानता है, पर व्यंग्य एवं सगुण-निर्गुण-भाव नहीं समझ पाया।

TIME TO MASTER

रुचिशील hrs

HELPLINE

70330 05444

WHAT THIS CHAPTER IS, IN PLAIN ENGLISH

यह आपके बच्चे की कक्षा 10 हिंदी (क्षितिज भाग-2) के काव्य खंड का पहला पाठ है, जिसमें भक्तिकाल के महान कवि सूरदास के चार पद हैं। ये पद 'भ्रमरगीत' से लिए गए हैं। कहानी यह है — श्रीकृष्ण मथुरा जाकर राजा बन जाते हैं और अपने मित्र उद्धव को गोपियों (ब्रजवासी स्त्रियों) के पास यह 'ज्ञान' सिखाने भेजते हैं कि वे निराकार (निर्गुण) ईश्वर की पूजा करें और कृष्ण को भूल जाएँ। परंतु गोपियाँ, जो कृष्ण से सच्चा एवं अनन्य प्रेम करती हैं, इस उपदेश को बड़ी चतुराई एवं व्यंग्य से अस्वीकार कर देती हैं और उद्धव को निरुत्तर कर देती हैं। पद ब्रजभाषा में हैं और इनमें विरह (बिछोह की पीड़ा) तथा प्रेम की गहराई का सुंदर चित्रण है। यह काव्य खंड का पहला पाठ होने के कारण बोर्ड परीक्षा में अंक-महत्त्वपूर्ण है — सामान्यतः 5 से 7 अंक।

5 QUESTIONS TO ASK YOUR CHILD

- गोपियों ने उद्धव के योग-संदेश को क्यों नहीं माना — कम-से-कम दो कारण बताओ।
- 'हारिल की लकड़ी' एवं 'बड़भागी' का क्या अर्थ है — और इनमें कौन-सा व्यंग्य छिपा है?
- सगुण और निर्गुण भक्ति में क्या अंतर है? सूरदास किसके पक्ष में हैं?
- ये पद किस ग्रंथ से लिए गए हैं और कवि का नाम क्या है?
- गोपियों ने कृष्ण पर 'राजनीति' का कटाक्ष क्यों किया?

WEAK-SPOT INDICATORS

- यदि बच्चा 'बड़भागी' को सीधी प्रशंसा समझे (व्यंग्य न पहचाने) — तो वह काव्य-भाव से चूक रहा है।
- यदि बच्चा सगुण-निर्गुण का अंतर न बता पाए — पाठ की आत्मा अधूरी है।
- यदि बच्चा एक भी प्रतीक (हारिल/भ्रमर/कमल-पत्र) न समझ पाए — काव्य-सौंदर्य के प्रश्न में चूकेगा।
- यदि बच्चा कवि (सूरदास) एवं ग्रंथ (सूरसागर/भ्रमरगीत) न जानता हो — कवि-परिचय का अंक खोएगा।

WHEN TO WORRY — AND WHAT TO DO

यदि आपका बच्चा किसी एक पद का भावार्थ अपने शब्दों में न बता सके अथवा गोपियों के योग-अस्वीकार के कारण एक पैराग्राफ में न लिख सके तो वह 4-5 अंक खो सकता है। समाधान पद रटना नहीं, बल्कि प्रसंग, प्रतीक एवं व्यंग्य पर 15-20 मिनट की बातचीत है।

+91 70330 05444 · readyforboards.com · Boards prep that builds confidence, not anxiety.